सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
5431	01.08.2019	01.08.2019	**Ghaziabad Uttar Pradesh**	Hari Bhoomi Hindi Newspaper 01th August, 2019/Page No. 04
Title:	**5 Diphtheria cases in district Ghaziabad, Uttar Pradesh**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Ghaziabad, SSU-Uttar Pradesh			

रैपिड रेस्पांस टीमें सक्रिय, मरीजों के आसपास के घरों में करेंगी वैक्सीनेशन

गाजियाबाद में डिप्थीरिया के पांच मरीज मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

जनपद में डिप्थीरिया के पांच मरीज मिले हैं। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टीम ने इन मरीजों के बारे में जानकारी मिलने के बाद रैपिड रेस्पांस टीमें सक्रिय हो गई है। मुख्य जिला चिकित्साधिकारी ने इन टीमों को मौके पर भेज दिया है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एनके गुप्ता ने बुधवार को बताया कि कि गाजियाबाद महानगर के विजयनगर और करहेड़ा में एक-एक मरीज मिला है,जबकि जनपद के डासना कस्बे में एक और भोजपुर में डिप्थीरिया के दो मरीज मिले हैं। सीएमओ ने बताया कि पिछले वर्ष जनपद में डिप्थीरिया के कुल 15मरीज मिले थे। सभी मरीजों के घरों का पता लगाकर रेपिड रेस्पांस टीमें भेजी जा रही हैं। ये टीमें मरीजों के आसपास के पांच-पांच सौ घरों में टीडी के टीके लगाएंगी। डॉ. गुप्ता ने बताया कि यह विषाणु से फैलने वाली बीमारी है। इस बीमारी को आम बोलचाल की भाषा में गला घोंटू बुखार भी कहा जाता है। बीमारी में

■ डिप्थीरिया की रोकथाम के लिए गर्भवती महिलाओं को टीडी का टीका दिया जा रहा

टॉसिल के ऊपर एक मेंम्ब्रेन (झिल्ली) बन जाती है, जो सांस लेने में बाधा उत्पन्न करती है। डिप्थीरिया की रोकथाम के लिए अब सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं को टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) का टीका दिया जा रहा है, ताकि उस महिला के साथ-साथ पैदा होने वाले बच्चे को भी डिप्थीरिया और टिटनेस होने का खतरा न रहे। पहले गर्भवती महिलाओं को केवल टिटनेस का टीका दिया जाता था। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिया जा रहा नया टीडी का टीका काफी कारगर है।

क्या है डिप्थीरिया

छोटे बच्चे जल्द बनते हैं बीमारी के शिकार

गुप्ता ने बताया कि डिप्थीरिया नाक, गले का गंभीर संक्रमण है। संक्रमण बैक्टीरिया के कारण होता है। टीके के द्वारा आसानी से इसे रोका जा सकता है। इसके लक्षणों में मुख्यतः गले में खराश, बुखार, लसीका ग्रन्थि में सूजन, कमजोरी, ठंड लगना आदि शामिल हैं। डिप्थीरिया के मरीज की आवाज फटने लगती है व सांस लेने में दिक्कत होती है। कई बार मरीज को खांसी भी हो जाती है, नाक भी बहने लगती है। ऐसे लक्षण महसूस हो तो तत्काल मरीज को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर जाएं। यह बीमारी छोटे बच्चों को जल्द ही अपना शिकार बना लेती है।

क्यों होता है डिप्थीरिया

एक-दूसरे की पैन-पैंसिल मुंह में न रखें बच्चे

सीएमओ ने बताया कि डिप्थीरिया कोराइम बैक्टीरियम डिपथीरी नामक जीवाणु से होता है। इसका संक्रमण बच्चों में प्रायः एक-दूसरे की पैन- पैंसिल मुंह में रख लेने या ऐसी ही अन्य चीजों से एक-दूसरे में फैलता है। यह खांसने से भी एक-दूसरे में फैलता है। इस बीमारी के लिए जिम्मेदार जीवाणु एक प्रकार के जीव विष को जन्म देता है, जिससे हृदय की पेशियों में सूजन आ जाती है। इसकी रोकथाम के लिए बच्चे को दस से 12माह की उम्र में पहला और 15 से 18 मास की उम्र में दूसरा और आठ-नौ वर्ष की आयु में तीसरा टीका दिया जाता है।

डिप्थीरिया का उपचार

गुप्ता ने बताया कि डिप्थीरिया का उपचार बहुत मुश्किल नहीं होता। रोग का संदेह होने पर मरीज को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाएं। उपचार से पूर्व गले के स्राव का कल्चर टैस्ट होना जरूरी है। किसी भी अन्य बीमारी की तरह डिप्थीरिया का उपचार भी जितना जल्दी शुरू होगा, नतीजे उतने ही बेहतर होंगे।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर